

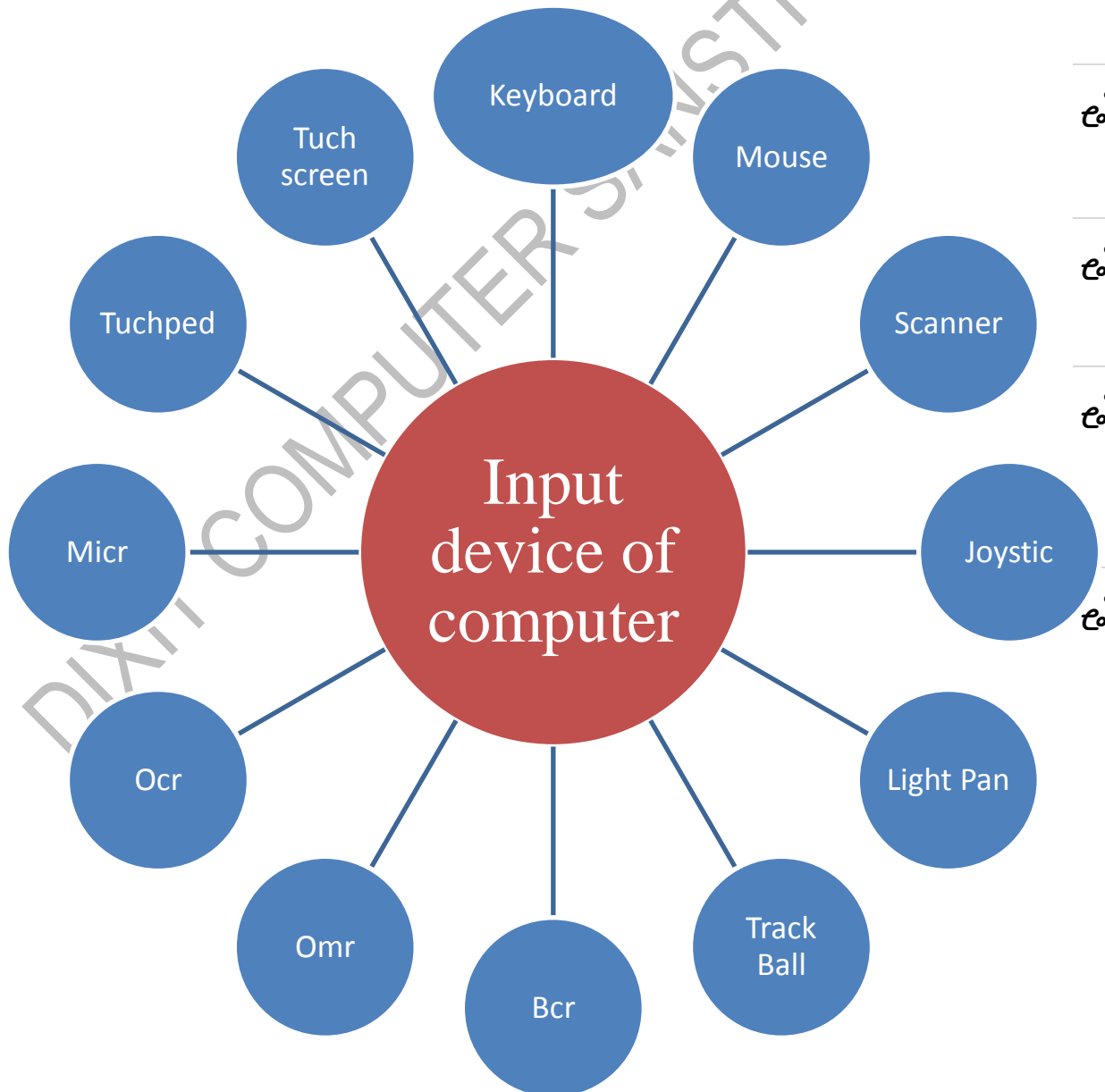
Input Device of Computer

Input Device :- वे उपकरण जिनके द्वारा कम्प्यूटर में डाटा डाला जाता है। इनपूट डिवाइस कहलाते हैं।

Input Device = In:- अन्दर Put :- रखना Device :- उपकरण

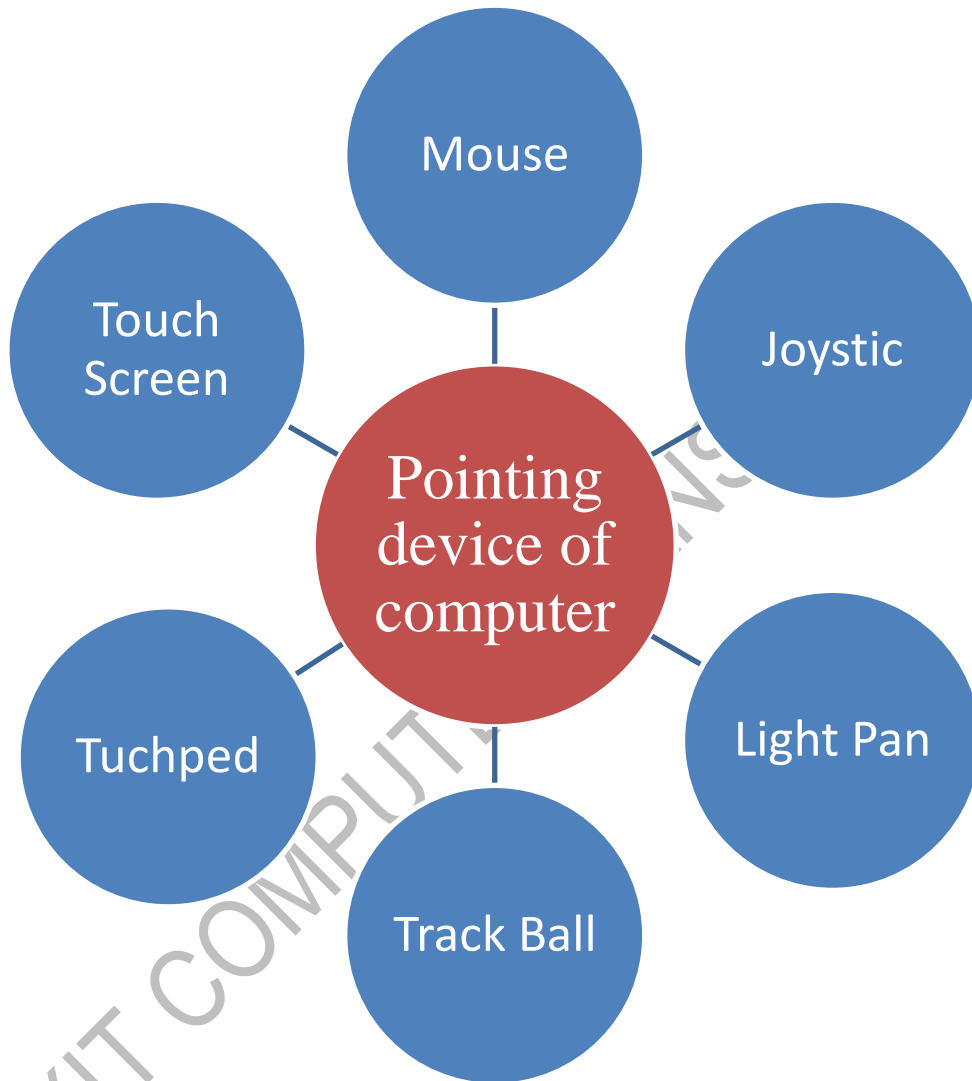
प्रमुख इनपूट डिवाइस निम्न हैं।

- | | | | |
|-------------|--------------|----------|-----------------|
| 1. Keyboard | 2. Scanner | 3. Mouse | 4. Joystic |
| 5. Lightpen | 6. TrackBall | 7. BCR | 8. Touch Screen |
| 9. OCR | 10. OMR | 11. MICR | 12. Tuchped |



प्रमुख प्वाँटिंग इनपूट डिवाइस निम्न है।

1. Mouse
2. Joystic
3. Lightpen
4. TrackBall
5. Touchped
6. Touch Screen



1. **Keyboard :- Key :-** चाबीयों, **Board :-** गत्या, अर्थात कीबोर्ड का अर्थ होता है। चाबीयो का गत्या। यह सबसे ज्यादा प्रयोग मे ली जाने वाली इनपुट डिवाइस है यह टाइपराईटर के सिद्धांत पर कार्य करता है एक साधारण कीबोर्ड मे कीज की संख्या 105 की होती है तथा कुछ स्पेशल कीबोर्ड होते है जिनमे कीज की संख्या 108 व 112 तक होती है। एक कीबोर्ड मे निम्न प्रकार की कीज होती है।

1. Function keys
2. Numerical keys
3. Alfabet keys
4. Special keys
5. Combination Keys
6. Navigation keys

7. Alfanumerical keys

8. Toggle keys

Dixit
Computer

1. Function key :- यह की बोर्ड में सबसे ऊपर होती है इनकी संख्या बारह (F1 से F12) होती है इनका कार्य अलग अलग प्रोग्राम में अलग अलग होता है।

Dixit
Computer

नोट :- फंक्शन कीज का प्रयोग किसी फंक्शन को खोलने के लिए किया जाता है। इसलिए इन्हे फंक्शन कीज कहा जाता है। जो निम्न प्रकार है।

F1 :- इस कीज का प्रयोग सहायता बॉक्स को खोलने के लिए किया जाता है।

Dixit
Computer

F2 :- इस कीज का प्रयोग रिनेम बॉक्स को खोलने के लिए किया जाता है।

Dixit
Computer

F3 :- इस कीज का प्रयोग सर्च बॉक्स को खोलने के लिए किया जाता है।

Dixit
Computer

F4 :- Alt के साथ इस कीज का प्रयोग शॉट डाउन को खोलने के लिए किया जाता है।

Dixit
Computer

F5 :- इस कीज का प्रयोग कम्प्यूटर को ताजा (रिफ्रेश) करने के लिए किया जाता है।

Dixit
Computer

F6 :- इस कीज का प्रयोग वर्ड मे मेनू बार को सक्रीय करने के लिए किया जाता है।

Dixit
Computer

F7 :- इस कीज का प्रयोग वर्ड मे स्पेलिंग व ग्रामर बॉक्स को खोलने के लिए किया जाता है।

Dixit
Computer

F8&F9:- इस कीज का प्रयोग कम्प्यूटर मे विंडो स्टोलेशन के लिए किया जाता है।

F10 :- shift के साथ इस कीज का प्रयोग राईट क्लिक बॉक्स को खोलने के लिए किया जाता है।

F11 :- इस कीज का प्रयोग इन्टरनेट विंडो को फुल स्क्रीन मे करने के लिए किया जाता है।

F12 :- इस कीज का प्रयोग वर्ड में सेव एज बॉक्स को खोलने के लिए किया जाता है।

2. Numerical keys :- यह की बोर्ड में दाए तरफ होती है इनकी संख्या दस (0 से 9) होती है।

3. Alfabet keys :- यह की बोर्ड में बाए तरफ होती है इनकी संख्या छब्बीस (A से Z) होती है।

4. Special keys :- इनकी संख्या की बोर्ड में कम होती है इनका प्रयोग स्पेशल करेक्टर लेने के लिए किया जाता है। जैसे :- ! @ # \$ % ^ & * आदि

नोट :- इस कीज का प्रयोग फाईल को सेव करते समय नहीं किया जाता है।

5. Combination keys :- कीबोर्ड मे ऐसी कीज भी होती है जिसका प्रयोग करने के लिए दूसरी कीज का प्रयोग किया जाता है। अर्थात इनका प्रयोग अकेले नहीं किया जाता है।

जैसे :- Alt, Shift, Ctrl आदि

6. Navigation keys :- कीबोर्ड मे ऐसी कीज भी होती है जिसका प्रयोग पेज को ऊपर निचे करने के लिए किया जाता है। इनकी संख्या 4 होती है। जैसे :- ←, ↑, →, ↓ आदि

7. Alfa- Numerical keys :- यह की कीबोर्ड के मध्य का हिस्सा होता है यह की सबसे महत्वपूर्ण की होती है। इन से अल्फावेट एवं न्यूमेरिक नम्बर के साथ विशेष चिन्हों को कम्प्यूटर में इनपुट किया जा सकता है। इसलिये इन्हें अल्फा न्यूमेरिक की कहा जाता है। इससे A TO Z, a TO z, 0 TO 9 ~ ! @ # \$ % ^ & * ()

8. Toggle keys :- कीबोर्ड मे बाकी सभी कीज जो ऊपर की कीज मे शामिल नहीं है टोगल कीज की श्रेणी मे आती है। जैसे :- Page up , Page down, home , end, insert, delete आदि
कीबोर्ड दो प्रकार के होते है।

1. Wired keyboard :- इस कीबोर्ड को कम्प्यूटर से connect करने के लिये तार का प्रयोग किया जाता है। इस लिये इसे wired keyboard कहा जाता है।

2. Wireless keyboard :- इस कीबोर्ड को कम्प्यूटर से connect करने के लिये तार का प्रयोग नहीं किया जाता है। इस लिये इसे wireless keyboard कहा जाता है। इस कीबोर्ड को कम्प्यूटर से जोड़ने के लिये एक एक कनेक्टर का प्रयोग किया जाता है जिसको सीपीयू से कनेक्ट किया जाता है।

2. Mouse :- माउस का अर्थ होता चूहा है। अर्थात् इसकी बनावट भी चूहे के समान होती है। इसमें तीन तरह के बटन होते हैं। जिन्हें left Click, Right Click, And Wheel Buttun के नाम से जाना जाता है।

Not :- माउस एक पॉइंटिंग डिवाइस है।

left Click :- इस बटन का कार्य किसी फाईल या फोल्डर को ऑपन करने के लिए किया जाता है।

Right Click :- इस बटन का कार्य किसी फाईल या फोल्डर की प्रोपर्टी देखने के लिए किया जाता है।

Wheel Buttun :- इस बटन का कार्य पेज को निचे करने के लिए किया जाता है।

3. Scanner :- स्केनर एक इनपूट डिवाइस है जिसका प्रयोग सूचना या डाटा को सीधे कम्प्यूटर के अन्दर इनपूट करने के लिए किया जाता है। इसके द्वारा किसी भी किताब या डाटा को कम्प्यूटर में फोटो के रूप में सेव किया जा सकता है।

Not :- हार्ड कॉपी को सॉफ्ट कॉपी में बदलने के लिए स्केनर का प्रयोग किया जाता है।

4. Joystic :- जॉयस्टिक भी इनपूट डिवाइस है जिसका प्रयोग भी माउस की तरह ही किया जाता है।

Not :- जॉयस्टिक का प्रयोग कम्प्यूटर में गेम खेलने के लिए किया जाता है।

Not :- यह एक पॉइंटिंग डिवाइस है।

5. light pen :- लाइटपेन भी इनपूट डिवाइस है जिसका प्रयोग स्क्रीन पर सीधे ही स्क्रीन पर कोई चित्र या आकृति निर्माण के लिए किया जाता है।

6. **Track ball** :- ट्रेक बॉल भी इनपूट डिवाइस है जो माउस की तरह ही होता है इसमें एक उभरी हुई गेंद होती है। और दो बटन होते हैं।

Not :- यह एक पॉइंटिंग डिवाइस है।

7. **Touch pad** :- टच पेड भी इनपूट डिवाइस है जिसका प्रयोग आजकल रेलवे एयरपोर्ट, बैंकिंग के क्षेत्र में होता है लैपटॉप में भी इसका प्रयोग किया जाता है।

8. **BCR (bar code reader)** :- बीसीआर का प्रयोग व्यावसायिक क्षेत्र में किया जाता है। इसका प्रयोग उत्पाद के पैकेट पर छिपे हुए कोड को पढ़ने के लिए किया जाता है। बार कोड में उत्पाद निर्माण से सम्बंधित सम्पूर्ण जानकारी होती है। बार कोड रिडर उसे पढ़ने का कार्य करता है।

9. **OMR (Optical Mark reader)** :- OMR एक इनपूट डिवाइस है जो मिडिया कागज पर पेन्सिल के निशान की व्याख्या करने वाला उपकरण है। इसका प्रयोग प्रायोगिक परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं को चैक करने के लिए ओएमआर का प्रयोग किया जाता है।

10. **OCR (Optical Character reader)** :- OCR एक इनपूट डिवाइस है जो पहले से छपे शब्दों को पढ़ लेता है। यह हाथ से लिखे पुराने लेख और क्रेडिट कार्ड के कोड को पहचान लेता है।

11. **MICR (Magnetic Ink Character reader)** :- MICR एक इनपूट डिवाइस है जिसका प्रयोग बैंकों के चैक में लिखे कोड को पढ़ने के लिए किया जाता है। क्योंकि चैक में लिखे नम्बर पर जिस इंक का प्रयोग किया जाता है उसे पढ़ने के लिए एम आई सी आर का प्रयोग किया जाता है।